MASTER OF ARTS (SANSKRIT)
SECOND YEAR
Third Semester
संस्कृति एवं धर्मशास्त्र
Paper code: 21SKT23C1

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

घटक – I मनुस्मृति (प्रथम अध्याय) 20

घटक – II याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय) 20

(i) साधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(ii) असाधारण व्यवहार मात्रिक प्रकरण

(iii) दाय–विभाग प्रकरण

घटक – III कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम भाग–प्रथम अधिकरण) 20

घटक – IV रामायण, महाभारत एवं पुराण : रामायण व महाभारत के संस्करण, अनुवर्ती साहित्य के प्रेरणा स्त्रोत के रूप में रामायण व महाभारत, पुराण की परिभाषा, पुराणों का सांस्कृतिक महत्त्व, पुराणों में सृष्टि विद्या 20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I छः में से चार श्लोकों की व्याख्या 4×4 = 16

घटक – II छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या 4×4 = 16

घटक – III छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या 4×4 = 16

घटक – IV दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न 1×16 =16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मनुस्मृति – सम्पादक, जयन्त कृष्ण हरिकृष्ण दवे, भारतीय विद्या भवन, मुम्बई
2. मनुस्मृति – सम्पा0, गंगानाथ झा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
3. मनुस्मृति – व्याख्याकार, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली
4. याज्ञवल्क्य स्मृति – व्याख्याकार, गंगासागर राय
5. याज्ञवल्क्य स्मतृति – उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
6. Hindu Judicial system – S Vardachari
7. Laws of Manu – G. Buhler
8. Hindu Jurisprudence – P.K. Sen

Third Semester

काव्यप्रकाश एवं साहित्यदर्पण

Paper code: 21SKT23C2

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

घटक – I	काव्यप्रकाश (1–2; 4, 8 उल्लास)	20
घटक – II	काव्यप्रकाश (नवम–दशम उल्लास) अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, संकर, संसृष्टि	20
घटक III	साहित्यदर्पण (1–2 परिच्छेद)	20
घटक IV	साहित्यदर्पण (3.1–29, 6.1–11, 6.224–268, 6.315–324)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – 1	4 कारिकाओं में से दो की व्याख्या अथवा 2 प्रश्नों में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	16
घटक –	6 में से 4 अलंकारों के लक्षण व उदाहरण	16
घटक – III	4 कारिकाओं में से दो की व्याख्या अथवा 2 प्रश्नों में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	16
घटक – IV	दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन में से दो टिप्पणी	16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काव्यप्रकाश, सम्पा. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार,मेरठ
2. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार – आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
3. साहित्यदर्पण – निरूपण विद्यालंकार
4. साहित्यदर्पण – शालिग्राम शास्त्री
5. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास : आचार्य बलदेव उपाध्याय ।

Third Semester

लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

Paper Code 21SKT23CC1

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes:

CO1 Describe the history of Sanskrit poetry from Ashvaghosh to Shree Harsh.
CO2 Describe the history of Sanskrit prose from Arya Shoor to Ambikadutt Vyasa.
CO3 Describe the history of Sanskrit drama from Bhasa to Bhatta Narayan.

घटक 1– महाकाव्य (अश्वघोष से श्रीहर्ष तक)	20
घटक 2–(क) गद्य साहित्य (आर्यशूर से अम्बिकादत्त व्यास तक)	
(ख) कथा साहित्य (विष्णुशर्मा से सोमेमदेव तक)	20
घटक 3–नाट्य साहित्य –(भास से भट्टनारायण तक)	20
घटक 4–अन्य काव्य विधाएँ (खण्ड काव्य, गीति काव्य, मुक्तक काव्य,	
स्तोत्र काव्य एवं चम्पू काव्य – कालिदास से जगन्नाथ तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

प्रत्येक घटक में से चार में से दो प्रश्नों के उत्तर	2x8x4=64
अथवा	
प्रत्येक घटक में से छः में से चार पर टिप्पणियॉ	4x4x4=64

अनुशंसित ग्रन्थ –

संस्कृत साहित्य का इतिहास– वाचस्पति गैरोला
संस्कृत साहित्य का इतिहास– एस0 के0 डे
History of Sanskrit literature- M. Krishnammachari

Third Semester

नाट्य शॉास्त्र

Paper code: 21SKT23CC2

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

घटक – I नाट्यशास्त्रम् भरत – (प्रथम अध्याय)	20
घटक – II नाट्यॉास्त्रम् भरत – (द्वितीय अध्याय)	20
घटक – III दशरूपकम् धनंजय (प्रथम प्रकाश)	20
घटक – IV दशरूपकम् धनंजय (तृतीय प्रकाश)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – I) छः में से चार सन्दर्भों की व्याख्या	16
घटक – II) (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – III) (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
(ख) दो में से एक प्रश्न	8
घटक – IV) (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	8
(ख) चार में से दो टिप्पणियाँ	8

<u>अनुशंसित ग्रन्थ –</u>

1. नाट्यशास्त्र –व्या0 भोलानाथ व्यास
2. दशरूपक – व्या0 श्रीनिवास शास्त्री
3. दशरूपक – व्या0 भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

Third Semester
नाटक
Paper Code : 21SKT23CC3

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes:
CO1 Study of Vishakhdutt and Bhavabhuti as dramatists.
CO2 Reading and understanding of Mudrarakshasam.
CO3 Reading and understanding of Uttararamacharitam.

घटक – I मुद्राराक्षसम् विशाखदत्त –(1–3 अंक)	20
घटक – II मुद्राराक्षसम् विशाखदत्त– (4–7 अंक)	20
घटक – III उत्तररामचरितम् भवभूति (1–3 अंक)	20
घटक – IV उत्तररामचरितम् भवभूति (4–7 अंक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं –

घटक – i) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	16
घटक – ii) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	16
घटक – iii) (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
(ख) दो में से एक प्रश्न	6
घटक – iv) (क) चार में से दो श्लोकों की व्याख्या	10
(ख) दो में से एक प्रश्न	6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. मुद्राराक्षसम् – व्या0 डॉ0 निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, सुभाषबाजार मेरठ
2. मुद्राराक्षसम् – व्या0 पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
3. उत्तररामचरितम् – व्या0 तारिणीश झा
4. उत्तररामचतरिम् – व्या0 डॉ0 कृष्णलाल शुक्ल एवं डॉ0 रमाकान्त शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ

Third Semester
Disaster Management
Paper Code : 21ENVO2

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

.

Note:

1. Seven questions will be set in all.
2. Question No. 1 will be objective covering the entire syllabus & compulsory. The remaining six questions will be set with two questions from each unit. The candidate will be required to attempt five in total, Question I and four by selecting at least one from each unit.

UNIT- I

Disaster- Causes and phases of disaster, Rapid onset and slow onset disasters. Nature and responses to geo-hazards, trends in climatology, meteorology and hydrology. Seismic activities. Changes in Coastal zone, coastal erosion, beach protection. Coastal erosion due to natural and manmade structures.

UNIT- II

Floods and Cyclones: causes of flooding, Hazards associated with flooding. Flood forecasting. Flood management, Integrated Flood Management and Information System (IFMIS), Flood control. Water related hazards- Structure and nature of tropical cyclone, Tsunamis – causes and physical characteristics, mitigation of risks.

UNIT- III

Earthquakes: Causes and characteristics of ground-motion, earthquake scales, magnitude and intensity, earthquake hazards and risks, Volcanic land forms, eruptions, early warning from satellites, risk mitigation and training, Landslides.

Mitigation efforts: UN draft resolution on Strengthening of Coordination of Humanitarian Emergency Assistance, International Decade for Natural Disaster Reduction (IDNDR), Policy for disaster reduction, problems of financing and insurance.

Reference Books:

1. Bolt, B.A. Earthquakes , W. H. Freeman and Company, New York. 1988
2. Carter, N,W. Disaster Management: A Disaster Manager's Hand Book, Asian Development Bank, Manila. 1992
3. Gautam Ashutosh. Earthquake: A Natural Disaster, Ashok Publishing House, New Delhi. 1994
4. Sahni, P.and Malagola M. (Eds.).Disaster Risk Reduction in South Asia, Prentice-Hall of India, New Delhi. 2003.
5. Sharma, V.K. (Ed.). Disaster Management, IIPA, New Delhi. 1995.
6. Singh T. Disaster management Approaches and Strategies, Akansha Publishing House, New Delhi. 2006
7. Sinha, D. K. Towards Basics of Natural Disaster Reduction, Research Book Centre, New Delhi. 2006
8. Smith, K. Environmental Health, Assessing Risk and Reduction Disaster, 3rd Edition, Routledge, London. 2001 21.

Fourth Semester

संस्कृत–शास्त्र–परम्परा

Paper Code 21SKT24C1

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes:

CO1 Introduction to rich tradition of Sanskrit Shastras.
CO2 General Information of the Sanskrit works and authors of Ayurveda.
CO3 General Information of the Sanskrit works and authors of Astronomy and Mathematics.
CO4 General Information of the works and authors of Sanskrit poetics.
CO5 General Information of the Sanskrit works and authors of Prosody, Grammar and lexicography.

घटक – I आयुर्वेद एवं रसायनशॉास्त्र : सामान्य परिचय 20

चरक संहिता,सुश्रुत संहिता,वाग्भट्ट,बोपदेव,हेमाद्रि,कायस्थ चामुण्ड,तीसट भावमिश्र,टोडरानन्द,लोलिम्बराज,नागार्जुन,गोविन्द भगवत्पाद,रसेन्द्रचूडामणि रसप्रकाश,रसार्णव,रसराजलक्ष्मी,रसेन्द्रसारसंग्रह,रसरत्नसमुच्चय रसरत्नाकर,रसेन्द्रचिन्तामणि,रससार,रसेन्द्रकल्पद्रुम

घटक – II ज्योतिष एवं गणित–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

बोधायन,कात्यायन,आपस्तम्ब,वराहमिहिर(पंचसिद्धान्तिका),ब्रह्मगुप्त,आर्यभट्ट, भास्कराचार्य(प्रथम),कल्याणवर्मा,लल्ल,भास्कराचार्य(द्वितीय),श्रीधर,श्रीपति,महावीर, मुनीश्वर,

घटक – III साहित्य–शास्त्र : सामान्य परिचय 20

भरत,मेधाविरुद्र,भामह,दण्डी,उद्भटभट्ट,आनन्दवर्धन,मम्मट,विश्वनाथ,अभिनवगुप्त राजशेखर,मुकुलभट्ट,धनंजय,भट्टनायक,कुन्तक,महिमभट्ट,भोजराज,रुय्यक,शारदातनय शिंगभूपाल,रूपगोस्वामी,अप्पयदीक्षित,विश्वेश्वरपण्डित,
रस–सम्प्रदाय,अंलकार–सम्प्रदाय,रीति–सम्प्रदाय,वक्रोक्ति–सम्प्रदाय, ध्वनि–सम्प्रदाय, औचित्यसम्प्रदाय

घटक–IV छन्द,कोष एवं व्याकरण–शास्त्रःसामान्य परिचय 20

छन्दशास्त्र– आचार्यपिंगल,जयदेव,जयकीर्ति,केदारभट्ट,क्षेमेन्द्र,हेमचन्द्र,गंगादास, कोश– निघण्टु, यास्क, देवराजयज्वा दुर्गाचार्य,भास्कर्राय,अमरसिंह,अमरकोश के टीकाकार, शाश्वत, धनंजय, पुरुषोत्तमदेव, हलायुध, यादवप्रकाश, महेश्वर, अजय, मेदिनीकोश, हेमचन्द्र, केशवस्वामी, केशव,शाहजी महाराज, हर्षकीर्ति, महामहोपाध्याय,रामावतार शर्मा, व्याकरण–शास्त्र– पाणिनि पूर्व वैयाकरण, पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, रामचन्द्राचार्य, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, वरदराज, नारायणभट्ट, नागेशभट्ट, इतर सम्प्रदाय–कातन्त्र व्याकरण,चान्द्र व्याकरण,जैनेन्द्र व्याकरण,भोज व्याकरण, सिद्धहैम व्याकरण,सारस्वत व्याकरण, मुग्धबोध, संक्षिप्तसार व्याकरण

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी 16
घटक – II दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी 16
घटक – III दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी 16
घटक – IV दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न अथवा तीन मे से दो टिप्पणी 16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला ।
3. व्याकरण'ाास्त्र का इतिहास (छात्रोपयोगी संस्करण) – युधिष्ठिर मीमांसक, रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ ।
4. संस्कृत व्याकरण का इतिहास – सत्यकाम वर्मा ।

Fourth Semester

पालि एवं प्राकृत

Paper code: 21SKT24C2

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes

CO1 Understanding the structural characteristics of Pali & Prakrit languages.
CO2 Reading and understanding the poetry and prose in Pali language.
CO3 Reading and understanding the poetry and prose in Prakrit language.

घटक – I पालि प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन–व्याकरण भाग–1 वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक,

शब्द रूप, धातु रूप 20

(क) शब्द रूप – बुद्ध, मुनि, अग्गि, भिक्खु, राया, अत्ता, अप्पा, पिता, क×या, इत्थी, माता

(ख) धातु रूप – भू, गम, पठ, ठा, दिस्स, कर, दा, पुच्छ, कथ, सक्ख (केवल–लट्, लङ्, लृट्, लोट्, विधिलिङ् लकार)

घटक – II पालि प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन (भाग–2 साहित्य संकलन) 20

घटक – III प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन–व्याकरण : वर्ण परिचय, सन्धि, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, समास, स्त्री प्रत्यय, कारक, शब्द रूप, धातु रूप 20

(क) शब्दरूप – वच्छ, देव, गिरि, मुणी, तरु, गुरु, पिऊ, (पिअर), राय, माला, लता, बुद्धि, धेणु, सव्व, युष्मद्, अस्मद्, अप्पा (आत्मन्) (ख) धातुरूप – ही (भू), पच, अस्, कृ–कर, हस्, दिस्स, भण, गम (गच्छ) पुच्छ, कथ, ठा, दह (केवल–लट्, लङ्, लृट्, लोट्–विधिलिङ् लकार)

घटक – IV प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन – (संकलित साहित्य) 20

<u>दिशानिर्देश :</u>

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I (क) चार में से दो शब्दरूप 2×2 = 4

(ख) चार में से दो धातुरूप (निर्दिष्ट लकारों में से कोई एक लकार) 2×2 = 4

(ग) चार में से दो पदो में सन्धि/समास प्रदर्शन 2×1 = 2

(घ) चार में से दो पदो में तद्धित प्रत्यय प्रदर्शन 2×1 = 2

(ङ) चार में से दो पदो में कृत् प्रत्यय प्रदर्शन 2×1 = 2

(च) चार में से दो पदो में स्त्री प्रत्यय/लिंग प्रदर्शन 2×1 = 2

घटक–2	(क) चार में दो गद्यांशों का संस्कृत अनुवाद	2×4 = 8
	(ख) चार में से दो पद्यांशों का हिन्दी अनुवाद	2×4 = 8
घटक–3	(क) चार में से दो शब्दरूप	2×2 = 4
	(ख) चार में से दो धातुरूप (निर्दिष्ट लकारों में से कोई एक लकार)	2×2 = 4
	(ग) चार में से दो पदो में सन्धि/समास प्रदर्शन	2×1 = 2
	(घ) चार में से दो पदो में तद्धित प्रत्यय प्रदर्शन	2×1 = 2
	(ङ) चार में से दो पदो में कृत् प्रत्यय प्रदर्शन	2×1 = 2
	(च) चार में से दो पदो में स्त्री प्रत्यय/लिंग प्रदर्शन	2×1 = 2
घटक–4	(क) चार में दो गद्यांशों का संस्कृत अनुवाद	2×4 = 8
	(ख) चार में से दो पद्यां'ाों का हिन्दी अनुवाद	2×4 = 8

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. पालिप्पदीपिका – वीरेन्द्र कुमार अलंकार, वागाम्भृणी, पिंजौर (पंचकूला)
2. भिक्षु जगदीश कश्यप, पालि महाव्याकरण।
3. कच्चायन व्याकरण – सम्पा0 एस0 एन0 तिवारी
4. वालावतार (पालि व्याकरण) सम्पा0 द्वारिकादास शास्त्री वाराणसी
5. भरत सिंह उपाध्याय – हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर
6. एम0 विण्टरनित्स – हिस्ट्री ऑफ पालि लिटरेचर (Vol-2)
7. पी0 एल0 वैद्य – प्राकृत ग्रामर, पूना 1958
8. नेमिचन्द्र शास्त्री – अभिनव प्राकृत–व्याकरण, वाराणसी, 1963
9. वररुचि – प्राकृत प्रकाश सम्पा0 कोवेल, कलकत्ता, 1932
10. जगदीश चन्द्र जैन – प्राकृत साहित्य का इतिहास, वाराणसी, 1961
11. पालि–प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन
12. प्राकृत प्रवेशिका – डॉ0 कोमल चन्द्र जैन

Fourth Semester

Paper code: 21SKT24CC1

काव्यशास्त्र

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes:

CO1 Understanding the various aspects of Sanskrit poetics according to Rajshekhar.
CO2 Describe the theory of 'Dhwani' according to Anandvardhan.
CO3 Understanding the theories of poetics according to Kuntak and Vamana.

घटक – I काव्यमीमांसा, राजशेखर (अध्याय 1–5)	20
घटक – II ध्वन्यालोक, आनन्दवर्धन (प्रथम उद्योत)	20
घटक – III वक्रोक्तिजीवितम् – कुन्तक (प्रथमोन्मेष)	20
घटक – IV काव्यालंकारसूत्र – वामन (प्रथम अधिकरण)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक I (क) चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X4 = 8
(ख) चार में से दा की टिप्पणी	2X4 = 8
घटक II चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X8 = 16
घटक III चार में से दो सन्दर्भों की व्याख्या	2X8 = 16
घटक IV छः में से चार सूत्रों की व्याख्या	2X8 = 16

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. काव्य मीमांसा – राजशेखर
2. ध्वन्यालोक – व्याख्याकार श्री कृष्ण कुमार
3. ध्वन्यालोक – व्याख्याकार, आचार्य विश्वेश्वर
4. वक्रोक्तिजीवित – कुन्तक
5. काव्यालंकार सूत्र – वामन

Fourth Semester

संस्कृत महाकाव्य

Paper code: 21SKT24CC2

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes

CO1 Reading and understanding of Sanskrit poetry of Kalidas with reference to Raghuvansham.
CO2 Reading and understanding the poetry of Bharavi.
CO3 Reading and understanding the poetry of Shree Harsha.

घटक – I रघुवंशम् – कालिदास (प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग)	20
घटक – II किरातार्जुनीयम् – भारवि (प्रथम सर्ग)	20
घटक – III नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष (प्रथम सर्ग, श्लोक 1–80)	20
घटक – IV नैषधीयचरितम्–श्री हर्ष (प्रथम सर्ग, श्लोक 81 से अन्त तक)	20

दिशानिर्देश :

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगे जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I (क) चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – II (क) चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – III (क) चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – IV (क) चार में से दो पद्यों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. नैषधीय चरितम् – व्या0 शेष कृष्ण शर्मा रेग्मी
2. नैषधीय चरितम् – व्या0 निर्णय सागर प्रेस, मुम्बई
3. रघुवंश – English Translation, M.R. Kale.
4. किरातार्जुनीयम् – English Translation, M.R. Kale.

Fourth Semester

संस्कृत गद्य

Paper code-21SKT24CC3

M. Marks = 100
Term End Examination = 80
Assignment = 20
Time = 3 hrs

Course Outcomes:

CO1 Reading and understanding the characteristics of Sanskrit prose with special reference to Harshacharitam, Dashakumaracharitam and Kumudinichandrah.

CO2 Analyse the writing style of Sanskrit prose with special reference to Bana, Dandi and Medhavratacharya.

CO3 Understanding the society and culture as depicted in Harshachritam and Dashakumaracharitam.

घटक 1–हर्षचरितम् ,पंचंचम उच्छ्व्वास	20
घटक 2–दशकुमुमारचरितम् ,मूलभाग, 1–4 उच्छवास, (राजवाहनचरित से उपहारवर्मर्नन्च्चरित पर्यन्त)	20
घटक 3–कुमुदिनीचन्द्र, 1–8 कला	20
घटक 4–कुमुदिनीचन्द्र, 9–16 कला	20

दिशानिर्देश

नोट – 16–16 अंक के कुल पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसके अन्तर्गत विकल्प रहित आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न (प्रत्येक घटक में से दो) पूछे जायेंगें। जिनका उत्तर संस्कृत भाषा में देना अनिवार्य होगा। 16

शेष चार प्रश्नों के घटकानुसार निर्देश अधोलिखित हैं–

घटक – I (क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – II (क) चार में से दो गद्याशों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – III (क) चार में से दो गद्याशों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6
घटक – IV (क) चार में से दो गद्याशों की व्याख्या	2×5= 10
(ख) दो में से एक समीक्षात्मक प्रश्न	1×6= 6

अनुशंसित ग्रन्थ –

1 हर्षचरितम्, बाणभट्ट, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
2 दशकुमारचरितम्, दण्डी चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी ।
3 कुमुदिनीचन्द्र, मेधाव्रताचार्य, आचार्य प्रिंटिंग प्रेस, दयानन्द मठ रोहतक ।